SAMPLE CONTENT

हिंदी (LL)

व्याकरण व लेखन

कक्षा आठवीं

चंद्रभूषण शुक्ल
B.Ed, B.M.M.- Journalism

ज्योति नाविक
M.A., B.Ed.

Target Publications® Pvt. Ltd.

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे - ०४
द्वारा निर्धारित पाठ्यपुस्तक पर आधारित

हिंदी (LL)
व्याकरण व लेखन
कक्षा आठवीं

विशेषताएँ

- अद्ययावत पाठ्यपुस्तक पर आधारित
- व्याकरण के घटकों का समावेश
- उत्तर लिखने हेतु पर्याप्त जगह
- लेखन के विभिन्न आवश्यक घटकों का समावेश
- स्वयं मूल्यांकन हेतु स्वाध्याय के प्रश्नों का समावेश
- शैक्षणिक वर्ष में व्याकरण व लेखन का संपूर्ण तैयारी हेतु उपयुक्त

Sample Content

Printed at: **Repro India Ltd.,** Mumbai

© Balbharati Publications Pvt. Ltd.
No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, C.D. ROM/Audio Video Cassettes or electronic, mechanical including photocopying; recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the Publisher.

Balbharati Registration No.: 2018MH0022 **TEID: 2032** P.O. No. 2108

प्रस्तावना

प्यारे विद्यार्थियो!

शिक्षा की इस नूतन सीढ़ी पर कदम रखने के उपलक्ष्य में आप सभी का हार्दिक अभिनंदन है। शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत के साथ ही अनेक प्रकार की चिंताएँ मन को घेर लेती हैं। खासकर जब बात व्याकरण व लेखन की आती है, तो चिंताएँ और भी बढ़ जाती हैं। विद्यार्थियों की इन चिंताओं को दूर करने के लिए **टार्गेट पब्लिकेशंस** द्वारा **हिंदी (LL) व्याकरण व लेखन कक्षा आठवीं** पुस्तिका का निर्माण किया गया है। यह पुस्तिका कक्षा आठवीं की पाठ्यपुस्तक पर आधारित है। इस पुस्तिका की सहायता से विद्यार्थी व्याकरण व लेखन से संबंधित सभी घटकों की पूर्ण जानकारी सरलता से प्राप्त कर सकेंगे।

व्याकरण यदि भाषा की नींव है, तो लेखन उसका स्तंभ है। इन दोनों के ज्ञान से ही किसी भी भाषा को सुचारु रूप से समझने व आत्मसात करने में सहायता मिलती है। दोनों मिलकर ही भाषा को समृद्ध व प्रभावशाली बनाते हैं। इस कारण में विद्यार्थियों के व्याकरण व लेखन के अध्ययन हेतु ही इस पुस्तिका का निर्माण किया गया है। इसके निरंतर अभ्यास से विद्यार्थी अनचाही सफलता प्राप्त कर भाषा को गहराई से समझ सकते हैं। यहाँ पाठ्यपुस्तक में वर्णित व्याकरण के सभी घटकों का विस्तार से वर्णन करने के साथ ही उन पर आधारित अधिकाधिक अभ्यासों का भी समावेश किया गया है। अभ्यासों के उत्तर लिखने हेतु यहाँ पर्याप्त जगह उपलब्ध कराई गई है। साथ ही उनके उत्तरों का भी समावेश किया गया है। इससे विद्यार्थी सभी घटकों का अभ्यास करने के साथ ही स्वयं का मूल्यांकन भी कर सकते हैं।

शैक्षणिक वर्ष में हिंदी व्याकरण व लेखन की पूरी तैयारी करने हेतु निर्माण की गई यह पुस्तिका आप सभी के हाथों में सौंपते हुए हमें बहुत ही प्रसन्नता हो रही है। हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि यह पुस्तिका विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी व ज्ञानवर्धक सिद्ध होगी। इसके साथ ही उनका सही दिशा में मार्गदर्शन भी करेगी।

पुस्तिका की उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए सभी अमूल्य सुझाव आमंत्रित हैं। हमारा ई-मेल पता **mail@targetpublications.org** है।

उज्ज्वल भविष्य हेतु ढेरा शुभकामनाएँ!

प्रकाशक

संस्करण: प्रथम

Disclaimer

This reference book is transformative work based on 'हिंदी सुलभभारती; प्रथमावृत्ति: २०१८, दूसरा पुनर्मुद्रण: २०२०' published by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. We the publishers are making this reference book which constitutes as fair use of textual contents which are transformed by adding and elaborating, with a view to simplify the same to enable the students to understand, memorize and reproduce the same in examinations.

This work is purely inspired upon the course work as prescribed by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. Every care has been taken in the publication of this reference book by the Authors while creating the contents. The Authors and the Publishers shall not be responsible for any loss or damages caused to any person on account of errors or omissions which might have crept in or disagreement of any third party on the point of view expressed in the reference book.

© reserved with the Publisher for all the contents created by our Authors.

No copyright is claimed in the textual contents which are presented as part of fair dealing with a view to provide best supplementary study material for the benefit of students.

Sample Content

अनुक्रमणिका

क्र.	पाठ का नाम	पृष्ठ
	व्याकरण-विभाग	
१.	वर्णमाला	१
२.	वर्ण-विच्छेद	४
३.	संज्ञा	६
४.	सर्वनाम	[illegible]
५.	विशेषण	[illegible]
६.	क्रिया	१६
७.	अव्यय	२०
८.	मुहावरे	२२
९.	कहावतें	२५
१०.	कारक	२७
११.	विरामचिह्न	३०
१२.	काल	३४
१३.	वाक्य	३७
१४.	वाक्य के भेद	३९
१५.	शुद्धाक्षरी लेखन	४३
१६.	पुनरावर्तन १	४५
१७.	समानार्थी शब्द	४८
१८.	विरुद्धार्थी शब्द	५०
१९.	लिंग	५२
२०.	वचन	५५
२१.	उपस[illegible]	५८
२२.	[illegible]	६०
२३.	श[illegible]-यु[illegible]	६२
२४.	[illegible]रित भिन्नार्थी शब्द	६४
२५.	हिंदी-मराठी समोच्चारित भिन्नार्थी शब्द	६६
[illegible]	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	६८
२७.	अनेकार्थी शब्द	७१
२८.	पुनरावर्तन २	७३
	उत्तर	७५

Sample Content

	लेखन-विभाग	
१.	पत्र-लेखन	८५
२.	गद्य-आकलन (प्रश्न निर्मिति)	९२
३.	वृत्तांत-लेखन	९४
४.	कहानी-लेखन	९७
५.	विज्ञापन-लेखन	१०५
६.	अनुवाद-लेखन	[illegible]
७.	निबंध-लेखन	[illegible]

Sample Content

१ वर्णमाला

किसी भी भाषा को सीखने से पहले उसके व्याकरण की जानकारी होनी आवश्यक है। हिंदी व्याकरण की शुरुआत **वर्णमाला** से होती है। इसकी लिपि देवनागरी है।

		अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	**स्व**
		ऋ	ए	ऐ	ओ	औ		
		अं	अः	**अयोगवाह**				
		अँ	ऑ					
क वर्ग	-	क	ख	ग	घ	ङ		**व्यंजन**
च वर्ग	-	च	छ	ज	झ	ञ		
ट वर्ग	-	ट	ठ	ड	ढ	ण	ड़ ढ़	
त वर्ग	-	त	थ	द	ध	न		
प वर्ग	-	प	फ	ब	भ	म		
	-	य	र	ल				
	-	श	ष	स	ह	ळ		
	-	क्ष	त्र	ज्ञ	श्र	**संयुक्त व्यंजन**		

सूचना: व्यंजनों में उच्चारण की सरलता के लिए 'अ' स्वर मिला दिया गया है। जब किसी व्यंजन में कोई स्वर नहीं जुड़ा होता तब उसके नीचे एक तिरछी रेखा खींचते हैं, जिसे **हल** या **हलंत** कहते हैं।

उदाहरण: क्, च्, त्, ट्, प् आदि।

वर्ण

यह हिंदी वर्णमाला की सबसे छोटी इकाई है। इसे **ध्वनि** भी कहते हैं।

वर्णमाला

वर्णों के समूह को **वर्णमाला** कहा जाता है।

स्वर

जिन वर्णों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से होता है, उन्हें **स्वर** कहा जाता है।

उदाहरण: अ, आ, इ, उ, ए, ओ, औ आदि।

व्यंजन

स्वर की सहायता से बोले जाने वाले वर्णों को **व्यंजन** कहते हैं।

उदाहरण: म् + अ = म, न् + अ = न, स् + अ = स आदि।

अनुस्वार (ं)

इसे **अनुस्वार** कहते हैं। इसका उच्चारण नाक से होता है।

उदाहरण: अंबर, कंचन, संग, पलंग, मंजन आदि।

Sample Content

अनुनासिक (ँ)

इसे **अनुनासिक** या **चंद्रबिंदु** कहते हैं। इसका उच्चारण नाक और गले दोनों की सहायता से होता है।

उदाहरण: अँगूठी, ऊँट, दाँत, पहुँच आदि।

विसर्ग (:)

इसे **विसर्ग** कहते हैं। इसका उच्चारण गले की सहायता से होता है।

उदाहरण: प्रात:, स्वत:, अत:, नम:, अंतत: आदि।

अर्धचंद्र (ॅ)

इसे **अर्धचंद्र** कहते हैं। इसका प्रयोग आ तथा ओ के बीच की ध्वनि के लिए किया जाता है। सामान्यत: इसका प्रयोग अंग्रेजी भाषा से हिंदी भाषा में आए शब्दों के उच्चारण के लिए किया जाता है।

उदाहरण: ऑफिस, डॉक्टर, फुटबॉल, मॉल आदि।

नुक्ता (.)

कुछ वर्णों के नीचे लगने वाले बिंदु को **नुक्ता** कहते हैं। इसका प्रयोग अरबी और फारसी भाषा से हिंदी भाषा में आए कुछ शब्दों के उच्चारण में किया जाता है। नुक्ता क, ख, ग, ज और फ वर्ण के नीचे ही लगता है।

उदाहरण: क़ागज़, ख़त, ग़म, ज़मीन, फ़रिश्ता आदि।

उच्चारण स्थान की तालिका

क्र.	स्थान	स्वर/सहयोगवाह	व्यंजन
१	**कंठ** – जिनका उच्चारण कंठ से होता है।	अ, आ, अ:	क, ख, ग, घ, ङ, ह
२	**तालु** – जिनका उच्चारण तालु से होता है। तालु अर्थात जीभ का ठीक ऊपर वाला गहरा भाग।	इ, ई	च, छ, ज, झ, ञ, य, श
३	**मूर्धा** – जिनका उच्चारण मूर्धा से होता है। मूर्धा अर्थात तालु के ऊपरी भाग से लेकर ऊपर के दाँतों तक का भाग।	ऋ	ट, ठ, ड, ढ, ण, र, ष, ड़, ढ़
४	**दंत** – जिनका उच्चारण ऊपर के दाँतों पर जीभ लगने से होता है।	–	त, थ, द, ध, न, ल, स
५	**ओष्ठ** – जिनका उच्चारण ओठों से होता है।	उ, ऊ	प, फ, ब, भ
६	**नासिका** – जिनका उच्चारण नासिका (नाक) से होता है।	अं, अँ	ङ, ञ, ण, न, म
७	**कंठतालु** – जिनका उच्चारण कंठ और तालु से होता है।	ए, ऐ	–
८	**कंठोष्ठ्य** – जिनका उच्चारण कंठ और ओठों से होता है।	ओ, औ	–
९	**दंतोष्ठ्य** – जिनका उच्चारण दाँत और ओठों से होता है।	–	व

संयुक्ताक्षर

बिना स्वर का व्यंजन जब किसी व्यंजन या अक्षर से जुड़ता है, तो **संयुक्ताक्षर** का निर्माण होता है।

उदाहरण: क् + क = क्क ख् + त = ख्त न् + न = न्न

नीचे दिए गए संयुक्ताक्षरों के उदाहरण ध्यानपूर्वक पढ़िए व समझिए:

क्र.	संयुक्ताक्षर	शब्द
१	क्ल	शक्ल
२	ख्म	जख्म
३	ग्न	अग्नि
४	च्च	कच्चा
५	च्छ	स्वच्छ

क्र.	संयुक्ताक्षर	शब्द
६	ज्व	ज्वार
७	ट्ट	लट्टू
८	ट्ठ	गट्ठर
९	ड्ड	लड्डू
१०	ढ्ढा	गढ्ढा

क्र.	संयुक्ताक्षर	शब्द
११	त्थ	पत्थर
१२	थ्य	तथ्य
१३	द्द	रद्द
१४	ध्य	ध्यान
१५	न्न	अन्न

क्र.	संयुक्ताक्षर	शब्द
१६	प्प	चप्पल
१७	फ्त	मुफ्त
१८	ब्ब	बब्बर
१९	ल्ल	पल्लव
२०	श्व	विश्व

सूचना: हिंदी भाषा के विकास व आवश्यकता के चलते हिंदी वर्णमाला में अँ और ऑ स्वर सहित ड़, ढ़ व ळ व्यंजन जुड़ गए हैं।

Sample Content

स्वाध्याय

१. निम्नलिखित वर्णों में से स्वर, व्यंजन और संयुक्त व्यंजन अलग करके लिखिए:

[क, आ, श्र, म, च, ज, इ, क्ष, उ, ज्ञ, ए, त्र]

	स्वर		व्यंजन		संयुक्त व्यंजन
क.	----------	क.	----------	क.	----------
ख.	----------	ख.	----------	ख.	----------
ग.	----------	ग.	----------	ग.	----------
घ.	----------	घ.	----------	घ.	----------

२. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर (ं) या (ँ) लगाकर उचित शब्द बनाइए:

क. कगन – ---------- ख. चाद – ---------- ग. गगा – ----------

घ. जगल – ---------- च. अधेरा – ---------- छ. आख – ----------

ज. साप – ---------- झ. आधी – ---------- ट. पतग – ----------

ठ. कुआ – ---------- ड. अबर – ---------- ढ. हसना – ----------

३. ड़ और ढ़ वर्णों से शब्द बनाइए:

क. ड़ – १. ---------- २. ---------- ३. ---------- ४. ----------

ख. ढ़ – १. ---------- २. ---------- ३. ---------- ४. ----------

४. विसर्ग (:) वाले पाँच शब्द लिखिए:

क. ---------- ख. ---------- ग. ----------

घ. ---------- च. ----------

५. निम्नलिखित शब्दों में से संयुक्ताक्षर छाँटकर लिखिए:

क. पक्ष – ---------- ख. प्राप्त – ---------- ग. स्वच्छ – ----------

घ. युद्ध – ---------- च. अक्ल – ---------- छ. अन्य – ----------

ज. नित्य – ---------- झ. रक्त – ---------- ट. मुफ्त – ----------

६. निम्नलिखित संयुक्ताक्षरों से शब्द बनाइए:

क. म्म – ---------- ख. न्न – ---------- ग. त्य – ----------

घ. ल्म – ---------- च. त्ता – ---------- छ. ग्न – ----------

ज. ड्डू – ---------- झ. ख्म – ---------- ट. श्व – ----------

Sample Content

२ वर्ण-विच्छेद

वर्ण विच्छेद यानी वर्णों को अलग-अलग करना। किसी शब्द को अलग-अलग करके लिखने की प्रक्रिया को **वर्ण विच्छेद** कहते हैं।

वर्ण के दो भाग होते हैं:

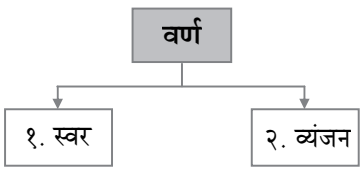

वर्ण-विच्छेद करते समय शब्दसमूह से स्वर वर्णों और व्यंजन वर्णों को अलग करके उनके वास्तविक रूप में लिखा जाता है।

उदाहरण: कमल = क् + अ + म् + अ + ल् + अ

स्वर और उनकी मात्राएँ:

स्वर	मात्रा (स्वर चिह्न)
अ	इसकी कोई मात्रा नहीं होती
आ	ा
इ	ि
ई	ी
उ	ु

स्वर	मात्रा (स्वर चिह्न)
ऊ	ू
ऋ	ृ
ए	े
ऐ	ै
ओ	ो

स्वर	मात्रा (स्वर चिह्न)
औ	ौ
अं	ं
अः	ः
अँ	ँ
ऑ	ॉ

वर्ण-विच्छेद

'अ' स्वर
कसरत = क् + अ + स् + अ + र् + अ + त + अ

'आ' स्वर
धारा = ध् + आ + र् + आ

'इ' स्वर
किरण = क् + इ + र् + अ + ण् + अ

'ई' स्वर
चील = च् + ई + ल + अ

'उ' स्वर
कुसुम = क् + उ + स् + उ + म् + अ

'ऊ' स्वर
धूल = ध् + ऊ + ल् + अ

'ऋ' स्वर
गृह = ग् + ऋ + ह् + अ

'ए' स्वर
मेल = म् + ए + ल् + अ

'ऐ' स्वर
सैर = स् + ऐ + र् + अ

'ओ' स्वर
रोशन = र् + अ + श् + अ + न् + अ

'औ' स्वर
रौनक = र् + औ + न् + अ + क् + अ

अनुस्वार
जंगल = ज् + अं + ग् + अ + ल् + अ

विसर्ग
प्रातः = प् + र् + आ + त् + अ:

अनुनासिक
बाँध = ब् + आँ + ध् + अ

पाई के ऊपर अर्धचंद्र
डॉक्टर = ड् + ऑ + क् + ट् + अ + र् + अ

संयुक्त व्यंजन

क्ष = क् + ष् + अ
क्ष
क्षमा = क् + ष् + अ + म् + आ

त्र = त् + र् + अ
त्र
पत्र = प् + अ + त् + र् + अ

ज्ञ = ज् + ञ् + अ
ज्ञ
यज्ञ = य् + अ + ज् + ञ् + अ

श्र = श् + र् + अ
श्र
श्रम = श् + र् + अ + म् + अ

'र' के विभिन्न रूप
प्रण = प् + र् + अ + ण् + अ
कर्म = क् + अ + र् + म् + अ

Sample Content

स्वाध्याय

१. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए:

क. जल – ----------

ख. गमला – ----------

ग. हिरन – ----------

घ. कहानी – ----------

च. गुलाब – ----------

छ. फूल – ----------

ज. पृथ्वी – ----------

झ. केला – ----------

ट. मैना – ----------

ठ. जोकर – ----------

ड. लौकी – ----------

ढ. बंदर – ----------

२. निम्नलिखित वर्ण-विच्छेदों को जोड़कर सार्थक शब्द बनाइए:

क. उ + प् + अ + व् + अ + न् + अ – ----------

ख. म् + अ + य् + ऊ + र् + अ – ----------

ग. प् + उ + ल् + अ – ----------

घ. म् + ए + ल् + आ ----------

च. ह् + अं + स् + अ + न् + इ – ----------

छ. म् + औ + स् + अ + – ----------

ज. अ + ध् + य् + अ + + अ + न + अ – ----------

झ. ज् + + अ + ऊ – ----------

ट. म् + + ह् + इ + ल् + आ – ----------

ठ. स् + + व् + अ + क् + अ – ----------

ड. + आ + र् + अ + त् + अ – ----------

ढ. अँ + ध् + ए + र् + आ – ----------

Sample Content

३ संज्ञा

किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान, भाव व द्रव्य के नाम को **संज्ञा** कहते हैं।

उदाहरण: क. वह दिल्ली चला गया। ख. मेरी पुस्तक खो गई।

ऊपर दिए गए पहले वाक्य में आया शब्द 'दिल्ली' एक स्थान का बोध करा रहा है तथा दूसरे वाक्य में आया शब्द 'पुस्तक' एक वस्तु का बोध करा रहा है। अत: ये दोनों **संज्ञा** शब्द हैं।

संज्ञा के कुल पाँच भेद हैं:

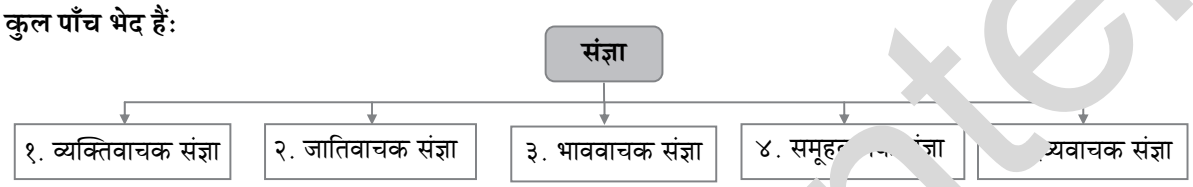

१ **व्यक्तिवाचक संज्ञा:** जिस संज्ञा शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान का बोध हो, उसे **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहते हैं। **जैसे:** मीना, राज, यश आदि।

उदाहरण: क. रमेश दौड़ रहा है। ख. दादी रामायण पढ़ रही है।

ऊपर दिए गए वाक्यों में आए शब्द 'रमेश' और 'रामायण' विशेष व्यक्ति व वस्तु का बोध कराते हैं। अत: ये **व्यक्तिवाचक संज्ञा** शब्द हैं।

२ **जातिवाचक संज्ञा:** जिस संज्ञा शब्द से किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी तथा स्थान पूरी जाति का बोध हो, उसे **जातिवाचक संज्ञा** कहते हैं। **जैसे:** मोर, किताब आदि।

उदाहरण: क. चूहा कूद रहा है। ख. कुर्सी टूट गई।

ऊपर दिए गए वाक्यों में आए शब्द 'चूहा' और 'कुर्सी' उनकी पूरी जाति का बोध कराते हैं। अत: ये **जातिवाचक संज्ञा** शब्द हैं।

३ **भावाचक संज्ञा:** जिस संज्ञा शब्द से किसी व्यक्ति, वस्तु व स्थान के गुण, दोष, भाव अथवा दशा का बोध हो, उसे **भाववाचक संज्ञा** कहते हैं। **जैसे:** खुशी, प्रसन्नता आदि

उदाहरण: क. मानवता जैसे बहुमूल्य है। ख. मोटापे के कारण वह चल नहीं पाता।

ऊपर दिए गए वाक्यों में अंकित शब्द 'मानवता' और 'मोटापे' भाव व दशा का बोध कराते हैं। अत: ये **भाववाचक संज्ञा** शब्द हैं।

४ **समूहवाचक संज्ञा:** जिस संज्ञा शब्द से किसी समूह का बोध होता है, उसे **समूहवाचक संज्ञा** कहते हैं। **जैसे:** सेना, भीड़, गुच्छा आदि।

उदाहरण: क. सभा में सभी मंत्रीगण उपस्थित थे। ख. परिवार भरा-पूरा रहना चाहिए।

ऊपर दिए गए वाक्यों में 'सभा' और 'परिवार' पूरे समूह का बोध कराते हैं। अत: ये **समूहवाचक संज्ञा** शब्द हैं।

५ **द्रव्यवाचक संज्ञा:** जिस संज्ञा शब्द से किसी ठोस, तरल, धातु, पदार्थ आदि का बोध होता है, उसे **द्रव्यवाचक संज्ञा** कहते हैं। **जैसे:** गेहू, लोहा, चाँदी आदि।

उदाहरण: क. आटा गीला हो गया। ख. सोना सस्ता हो गया।

ऊपर दिए गए वाक्यों में 'आटा' पदार्थ है और 'सोना' धातु है। अत: ये **द्रव्यवाचक संज्ञा** शब्द हैं।

Sample Content

स्वाध्याय

१. निम्नलिखित संज्ञा शब्दों के भेद पहचानकर लिखिए:

क. ताँबा – ------------------------------ ख. पानी – ------------------------------

ग. घर – ------------------------------ घ. चीनी – ------------------------------

च. बुराई – ------------------------------ छ. संघ – ------------------------------

ज. मीना – ------------------------------ झ. बचपन – ------------------------------

ट. सूरज – ------------------------------ ठ. बैल – ------------------------------

२. उचित जोड़ियाँ मिलाइए:

	अ	उत्तर		ब
क.	सेना	------------------------------	१.	भाववाचक संज्ञा
ख.	नफरत	------------------------------	२.	द्रव्यवाचक संज्ञा
ग.	हिंदुस्तान	------------------------------	३.	समूहवाचक संज्ञा
घ.	चश्मा	------------------------------	४.	व्यक्तिवाचक संज्ञा
च.	दूध	------------------------------	५.	जातिवाचक संज्ञा

३. निम्नलिखित वाक्यों में से अधोरेखांकित शब्दों के भेद लिखिए:

क. माँ की चिट्ठी आई पड़ी है। – ------------------------------

ख. डॉक्टर ने जाँच की। – ------------------------------

ग. पति-पत्नी सहयोग भावना से काम करते हैं। – ------------------------------

घ. स्टोव का तेल खत्म हो गया। – ------------------------------

च. गांधीजी ने असहयोग आंदोलन किया था। – ------------------------------

छ. ताज होटल के सामने टैक्सी रूकी। – ------------------------------

ज. घर में छोटी बहन शालू थी। – ------------------------------

झ. <u>परिवार</u> में हम चार लोग थे। – ---

ट. मुझे मन-ही-मन <u>दुख</u> हुआ। – ---

ठ. आज <u>बच्चे</u> क्या खाएँगे? – ---

४. निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्द खोजकर भेद सहित लिखिए:

क. तीसरी राजकुमारी राजा के पास गई।

उत्तर: ---

ख. लेखक ने जुहू की तैयारी कर ली।

उत्तर: ---

ग. दाँत बहुत दुस्साहसी हो गए थे।

उत्तर: ---

घ. मेरी कुल्हाड़ी पानी में गिर गई।

उत्तर: ---

च. मैं ईमानदारी से अपना काम करता हूँ।

उत्तर: ---

छ. मनुष्य पशुता की ओर बढ़ रहा है।

उत्तर: ---

ज. पत्नी बड़ी प्रसन्न हुई।

उत्तर: ---

झ. मैंने एक कविता लिखी।

उत्तर: ---

ट. [illegible]न बीमार होकर कमरे में पड़ी थी।

उत्तर: ---

ठ. मोटर के लिए सामान खरीदा।

उत्तर: ---

Sample Content

४ सर्वनाम

संज्ञा शब्द के स्थान पर जिस शब्द का प्रयोग किया जाता है, उसे **सर्वनाम** कहते हैं।

उदाहरण: क. उसने किताब नहीं दी। ख. वह घर से बाहर नहीं जा रहा है।

ऊपर दिए गए दोनों वाक्यों में संज्ञा शब्द के स्थान पर 'उसने' और 'वह' शब्द का प्रयोग किया गया है। इन शब्दों को **सर्वनाम** कहते हैं।

सर्वनाम के कुल छह भेद हैं:

सर्वनाम

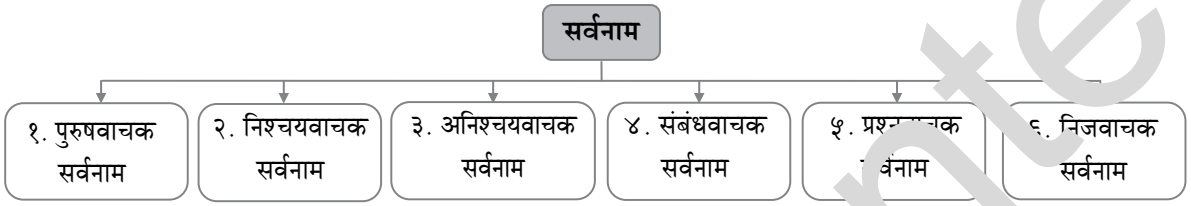

- १. पुरुषवाचक सर्वनाम
- २. निश्चयवाचक सर्वनाम
- ३. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
- ४. संबंधवाचक सर्वनाम
- ५. प्रश्नवाचक सर्वनाम
- ६. निजवाचक सर्वनाम

① **पुरुषवाचक सर्वनाम:** जिस सर्वनाम शब्द का प्रयोग बोलनेवाले, सुननेवाले या [illegible] व्यक्तियों के लिए किया जाता है, उसे **पुरुषवाचक सर्वनाम** कहते हैं। **जैसे:** मैं, तुम, वह, वे, हम, ये आदि।

उदाहरण: क. वह घर पहुँच चुकी है। ख. मैं समता विद्यालय में पढ़ता हूँ।

ऊपर दिए गए वाक्यों में आए शब्द 'वह' और 'मैं' **पुरुषवाचक सर्वनाम** शब्द हैं।

② **निश्चयवाचक सर्वनाम:** जिस सर्वनाम शब्द से किसी निश्चित व्यक्ति अथवा वस्तु का बोध हो, उसे **निश्चयवाचक सर्वनाम** कहते हैं। **जैसे:** यह, वह, ये आदि।

उदाहरण: क. यह राम का घर है। ख. ये मीना के खिलौने हैं।

ऊपर दिए गए वाक्यों में आए शब्द 'वह' और 'ये' **निश्चयवाचक सर्वनाम** शब्द हैं।

③ **अनिश्चयवाचक सर्वनाम:** जिस सर्वनाम शब्द से किसी व्यक्ति अथवा वस्तु का निश्चित बोध न हो, उसे **अनिश्चयवाचक सर्वनाम** कहते हैं। **जैसे:** कोई, कुछ आदि।

उदाहरण: क. [illegible] कुछ ला[illegible]। ख. बाहर कोई आया है।

ऊपर दिए गए वाक्यों में आए शब्द 'कुछ' और 'कोई' **अनिश्चयवाचक सर्वनाम** शब्द हैं।

④ **संबंधवाचक सर्वनाम:** जो सर्वनाम शब्द किसी एक शब्द का दूसरे शब्द से संबंध दर्शाते हैं, उन्हें **संबंधवाचक सर्वनाम** कहते हैं। **जैसे:** [illegible], जिसकी-उसकी, जैसा-वैसा आदि।

उदाहरण: क. जैसी करनी, वैसी भरनी। ख. जिसकी लाठी, उसकी भैंस।

ऊपर दिए गए दोनों वाक्यों में आए शब्द 'जैसी-वैसी' और 'जिसकी-उसकी' **संबंधवाचक सर्वनाम** शब्द हैं।

⑤ **प्रश्नवाचक सर्वनाम:** जिस सर्वनाम शब्द का उपयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता है, उसे **प्रश्नवाचक सर्वनाम** कहते हैं। **जैसे:** कौन, किसे, क्या, किसको आदि।

उदाहरण: क. आज मुझसे मिलने कौन आ रहा है? ख. किसके पास दस रुपए के छुट्टे हैं?

ऊपर दिए गए दोनों वाक्यों में आए शब्द 'कौन' और 'किसके' **प्रश्नवाचक सर्वनाम** शब्द हैं।

Sample Content

६ **निजवाचक सर्वनाम:** जिस सर्वनाम शब्द का उपयोग स्वयं के लिए होता है, उसे **निजवाचक सर्वनाम** कहते हैं। **जैसे:** स्वयं, अपना, खुद, स्वत: आदि।

उदाहरण: क. भक्त को स्वत: ईश्वर के दर्शन हो गए। ख. अर्जुन ने खुद घर की तलाशी ली।

ऊपर दिए गए दोनों वाक्यों में आए शब्द 'स्वत:' और 'खुद' **निजवाचक सर्वनाम** शब्द हैं।

स्वाध्याय

१. निम्नलिखित सर्वनाम शब्दों के भेद पहचानकर लिखिए:

क. क्या – ----------

ख. जो-सो – ----------

ग. मैं – ----------

घ. उसका – ----------

च. खुद – ----------

छ. तुम्हारा – ----------

ज. कोई – ----------

झ. निज – ----------

ट. कैसे – ----------

ठ. जो-वह – ----------

२. उचित जोड़ियाँ मिलाइए:

क्र	अ	उत्तर		ब
क.	उ...	----------	१.	प्रश्नवाचक सर्वनाम
ख.	क...	----------	२.	अनिश्चयवाचक सर्वनाम
ग.	स्वयं	----------	३.	निश्चयवाचक सर्वनाम
घ.	हमारा	----------	४.	निजवाचक सर्वनाम
च.	यह	----------	५.	पुरुषवाचक सर्वनाम

Sample Content

३. निम्नलिखित वाक्यों में से अधोरेखांकित शब्दों के भेद लिखिए:

क. आदमी के नाखून कैसे बढ़ते हैं? – ------------------------------

ख. गेहूँ के दाने तुम सँभालकर रखो। – ------------------------------

ग. मैंने डॉक्टर के निवास स्थान में प्रवेश किया। – ------------------------------

घ. क्या आप अनुराग जी हैं? – ------------------------------

च. वे हेलेना के पिता हैं। – ------------------------------

छ. श्रीमान खुद जाकर मोटर का मुआयना करने लगे। – ------------------------------

ज. हम दत्तचित्त हो तैयारी में जुट गए। – ------------------------------

झ. वह रिश्वत लेने-देने को अपराध समझता था। – ------------------------------

ट. नदी में कोई डूब रहा है। – ------------------------------

ठ. वे एकजुट होकर बोलने लगे। – ------------------------------

४. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द खोजकर भेद सहित लिखिए:

क. वे बहुत अच्छी कविता लिखते थे। – ------------------------------

ख. रजा साहब सारा काम स्वत: करते थे। – ------------------------------

ग. श्रीमान को कुछ हो गया। – ------------------------------

घ. वे गेहूँ के खे... – ------------------------------

च. मैं राजनीति से हमेशा दूर रहा। – ------------------------------

छ. ...कड़... के पास कोई आया। – ------------------------------

ज. तुम मेरे एन्जल गार्जियन हो। – ------------------------------

झ. नाखून अपने-आप बढ़ते हैं। – ------------------------------

ट. उन्हें कविता की पंक्ति याद आ गई। – ------------------------------

ठ. दाँत हार क्यों मानने लगे? – ------------------------------

AVAILABLE BOOKS FOR STD. VIII:
(ENG., MAR. & SEMI ENG. MED.)

NOTES
- English Balbharati
- मराठी सुलभभारती
- हिंदी सुलभभारती
- History and Civics
- Geography
- General Science
- Mathematics

NOTES
- My English Book
- मराठी बालभारती
- हिंदी सुलभभारती
- इतिहास व नागरिकशास्त्र
- भूगोल
- सामान्य विज्ञान
- गणित

Scan the QR code to buy e-book version of Target's Notes on Quill - The Padhai App

AVAILABLE BOOKS FOR STD. IX:
(ENG., MAR. & SEMI ENG. MED.)

NOTES
- English Kumarbharati
- मराठी अक्षरभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोद: सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्द: संयुक्त-संस्कृतम्
- History and Political Science
- Geography
- Mathematics (Part - I)
- Mathematics (Part - II)
- Science and Technology

NOTES
- My English Coursebook
- मराठी कुमारभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोद: सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्द: संयुक्त-संस्कृतम्
- इतिहास व राज्यशास्त्र
- भूगोल
- गणित (भाग - I)
- गणित (भाग - II)
- विज्ञान आणि तंत्रज्ञान

WORKBOOK
- English Kumarbharati
- मराठी अक्षरभारती
- हिंदी लोकभारती

ADDITIONAL BOOKS

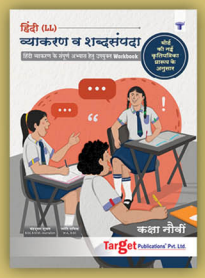

OUR PRODUCT RANGE
Children Books | School Section | Junior College
Degree College | Entrance Exams | Stationery

Target Publications® Pvt. Ltd.

Address:
2nd floor, Aroto Industrial Premises CHS,
Above Surya Eye Hospital, 63-A, P. K. Road,
Mulund (W), Mumbai 400 080
Tel: 88799 39712 / 13 / 14 / 15
Website: www.targetpublications.org
Email: mail@targetpublications.org

Explore our range of STATIONERY

Buy Now